भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1172
उत्तर देने की तारीख: 11.02.2021

केन्द्रीय शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षकों की कमी

1172# श्री राम नाथ ठाकुर :

क्या **शिक्षा मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश में केन्द्रीय शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षकों और कर्मचारियों की भारी कमी है;
(ख) क्या इन रिक्तियों के कारण छात्रों की दी जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता पर पड़ने वाले प्रभाव का कभी कोई आकलन कराया गया है;
(ग) इन संस्थानों में शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की रिक्तियों का तुरंत भरा जाना सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और
(घ) आज की तारीख तक केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में रिक्त पदों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
शिक्षा मंत्री
(श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक')

(क): रिक्तियों का होना और उन्हें भरा जाना एक सतत प्रक्रिया है। सेवानिवृत्ति, त्यागपत्र और छात्रों की संवर्धित संख्या के आधार पर अतिरिक्त आवश्यकताओं के कारण रिक्तियां सृजित होती रहती हैं। विभिन्न केंद्रीय उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षण और गैर-शिक्षण रिक्तियों का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	संस्थान	शिक्षण पद		गैर शिक्षण पद	
		कुल संस्वीकृत पद	कुल रिक्त पद	कुल संस्वीकृत पद	कुल रिक्त पद
1.	केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयू)	18352	6210	34644	12437
2.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)	10088	3876	10404	4182
3.	भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (केंद्रीय वित्त पोषित) (आईआईआईटी)	410	163	372	184

4.	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी)	7483	2736	7857	3784
5.	भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम)	1266	934	1801	828
6.	भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर)	1285	137	1285	472
7.	योजना और वास्तुकला विद्यालय	227	68	352	189
8.	राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर)	205	70	645	311
9.	अन्य केन्द्रीय वित्तपोषित संस्थान	733	246	778	169

(ख): सरकार ने शिक्षकों की गुणवत्ता में सुधार के लिए शिक्षण में वार्षिक रिफ्रेशर कार्यक्रम (अर्पित) प्रारंभ किया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के तहत, गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम जिसमें कई पहलें शामिल हैं जैसेकि दीक्षारंभ, प्रभावी शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के लिए आईसीटी आधारित शिक्षण साधनों का उपयोग, सभी नए शिक्षकों के लिए प्रवेश प्रशिक्षण भी लागू किया जाता है। इस क्रम में कि शिक्षा की गुणवत्ता में कोई कमी नहीं आती है, टीईक्यूयूआईपी के तहत, 'केंद्रित राज्य' (7 निम्न आय वाले राज्य, 11 हिमालयी राज्य और अंडमान निकोबार द्वीप समूह) और 11 केंद्रीय वित्तपोषित तकनीकी संस्थान (सीएफटीआई) में सहायक प्रोफेसरों के रूप में आईआईटी और एनआईटी जैसे प्रमुख संस्थानों से लगभग 1495 उच्च अर्हता प्राप्त स्नातकों को भर्ती किया गया है।

(ग) : संस्थान संकाय की कमी को दूर करने के लिए विभिन्न उपाय अपना रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्रों का अध्ययन प्रभावित न होने पाए, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ शोधकर्ताओं, अनुबंध, पुन: नियोजित, सहायक और विजिटिंग संकाय को नियोजित करना शामिल हैं। इसके अलावा, स्वयं और स्वयं प्रभा मंच उपलब्ध हैं जो छात्रों को आईआईटी और सीयू के संकायों से विश्व स्तर का अनुभव प्राप्त करने में सहायता करते हैं। संस्थान संकाय को आकर्षित करने के लिए वर्ष भर रोलिंग विज्ञापन प्रकाशित करते हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने दिनांक 04.06.2019, 31.07.2019, 05.09.2019 और 22.10.2019 के माध्यम से उच्चतर शिक्षा संस्थानों को रिक्त पदों को भरने हेतु पहले ही निर्देश जारी किए है।

(घ): जहां तक केन्द्रीय विश्वविद्यालयों का मामला है, 18352 संस्वीकृत शिक्षण पदों में 6210 पद रिक्त हैं और 34644 संस्वीकृत गैर-शिक्षण पदों में से 12437 पद रिक्त हैं।

***